शिव सर्किट में शामिल होगी ‘महादेव गुफा’

चर्चा में क्यों?

हाल ही में कुमाऊँ मंडल विकास निगम के साहसिक पर्यटन प्रबंधक दिनेश गुरुरानी ने बताया कि चीन सीमा से लगे उत्तराखंड के गाँव सीपू के निकट स्थित पौराणिक महादेव गुफा को शिव सर्किट से जोड़ा जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- गुरुरानी के अनुसार कुमाऊँ मंडल विकास निगम द्वारा धारचुला की उच्च हिमालयी दारमा घाटी के अंतिम गाँव सीपू के समीप स्थित इस गुफा को आदि कैलाश यात्रा मार्ग में शामिल करने से धार्मिक पर्यटन को नया अवसर प्राप्त होगा।
- पौराणिक मान्यताओं (शिव पुराण) के अनुसार, सती के अग्निकुंड में समाहित हो जाने के बाद भगवान शिव ने इसी गुफा को अपनी तपस्थली बनाया था।
- गौरतलब है कि राज्य में विद्यमान विभिन्न शिव मंदिरों को धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित करने हेतु उत्तराखंड के पर्यटन विभाग द्वारा शिव सर्किट प्रारंभ किया गया है।
- यह सर्किट उत्तराखंड के 24 शिव मंदिरों को शामिल करते हुए पौड़ी गढ़वाल स्थित एकेश्वर महादेव मंदिर से शुरू होकर बागेश्वर स्थित दांडेश्वर मंदिर में समाप्त होता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mahadev-cave-to-be-included-in-shiva-circuit